REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 8 | ISSUE - 1 | OCTOBER - 2018

शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों की प्रतिक्रियाओं का अध्ययन

डॉ. संतोष अरोड़ा[1] , धर्मवीर गंगवार[2]
[1]प्रोफेसर , बी.एड./एम.एड. विभाग , महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय (बरेली).
[2]शोध छात्र , बी.एड./एम.एड. विभाग , महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड , विश्वविद्यालय (बरेली).

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षकों द्वारा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति दृष्टिकोण, शिक्षण अधिगम सामग्री की उपलब्धता तथा शिक्षण अधिगमसामग्री के प्रति सरकारी प्रयासों एवं दिशा–निर्देशों का अध्ययन करना है। प्रस्तुत शोध कार्य को करने के लिये शोधार्थी द्वारा बरेली जनपद के तीन विकास खण्ड **नबावगंज, भोजीपुरा, भदपुरा**क्षेत्रों के प्राथमिक विद्यालयों के 110 शिक्षकों का चयन साधारण यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। उपकरण के अन्तर्गत स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। जिसमें 16 कथनन त्रिबिन्दु मापनी पर आधारित थे तथा 06 कथन खुले विकल्पों पर आधारित थे। आंकड़ों का विश्लेषण करने हेतु प्रतिशत का प्रयोग किया गया है। अध्ययन से परिणाम प्राप्त हुये कि (1) प्राथमिक शिक्षकों का शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति दृष्टिकोंण सकारात्मक हैं (2) विद्यालयों में शिक्षण अधिगम सामग्री की उपलब्धता नकारात्मक स्थिति को दर्शाती है तथा शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रति सरकारी प्रयासों एवं दिशा निर्देशों में अभी नकारात्मक स्थिति को दर्शाती है। अतः प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण अधिगम सामग्री की उपलब्धता एवं सरकारी प्रयासों में अभी और सुधार करने की आवश्यकता है।

प्रस्तावना :–

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाने में शिक्षण अधिगम सामग्री की भूमिका बहुत अधिक होती है। विज्ञाान और तकनीकी के विकास के फलस्वरूप शिक्षकों द्वारा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को बच्चों के संज्ञानात्मक विकास के अनुरूप बनाने के लिये शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग की अनुशंसा बहुत से अनुसंधान करते हैं। शिक्षण और अधिगम के सिद्धांतों के अनुसार विद्यार्थियों को शिक्षण अधिगम के दौरान बहुइन्द्रिय अनुभव प्रदान करने पर जोर दिया जाना चाहिये। इस क्रम में प्राथमिक स्तर के बालकों के शिक्षण में शिक्षण अधिगम सामग्री की उपयोगिता और भी बढ़ जाती है। वर्तमान में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के विकास के साथ शिक्षकों के लिये और अधिक विकल्प उपलब्ध हुऐ हैं।

शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर आज सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का प्रयोग किया जा रहा है, जिसका प्रयोग शिक्षा के उददेश्यों को प्राप्त करने, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को रूचिकर बनाने, अधिगम को स्थायित्व प्रदान करने तथा विद्यार्थियों को स्वयं ज्ञान की रचना करने के अवसर प्रदान करने के लिये किया जाता है। शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रयोगएक ओर शिक्षार्थियों के लिये लाभदायक होता है, वहीं दूसरी तरफ शिक्षकों के द्वारा इसका कक्षा शिक्षण के दौरान सार्थक प्रयोग करना अधिगम को रूचिकर बना सकता है। उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों की समझ अत्यधिक विकसित हो चुकी होती है, वहीं प्राथमिक स्तर पर बालकों में अमूर्त स्तर की अवधारणाओं को समझने में कठिनाई

होती है। इस कठिनाई को दूर करने या अधिगम को सुगम बनाने में शिक्षण अधिगम सामग्री शिक्षकों और बालकों दोनों के लिये बहुत सहायक होती है।

शिक्षण अधिगम सामग्रियों के द्वारा सीखा ज्ञान न केवल छात्रों में उत्साह जाग्रत करता है, वरन् सीखे हुये ज्ञान को लम्बे समय तक अपने स्मृति पटल में संजोए रख सकता है।[1]

शेखर, के0 रेड्डी, वी0येला0, नागार्जुन, टी0आई0(2014) नें शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन किया व पाया कि अध्यापकों की आयु व उनका शिक्षण अनुभव शिक्षण सामग्री के प्रयोग के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। कम आयु वाले व अधिक शिक्षण अनुभव रखने वाले शिक्षक अपने अध्ययन में शिक्षण सामग्री का प्रयोग अधिक करते हैं। [2]

ए0 फ्रेन्सिस, 2011 नें अपने अध्ययन में पाया कि दृश्य–श्रव्य सामग्री कक्षागत् शिक्षण की व भाषागत संकेतों को समझनें की जटिलताओं को कम करती है।[3]

एस0, हेरिस (2002) ने कक्षा शिक्षण में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रयोग को महत्वपूर्ण माना तथा उनका कहना हैं कि सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी जहां एक ओर शिक्षण अधिगम को बढ़ाती है वही छात्रों को भविष्य के लिये तैयार भी करती है।[4]

सामान्यतः प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों द्वारा शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग की स्थिति सकारात्मक दिखाई नहीं देती है। शिक्षण अधिगम सामग्री के निर्माण, उपलब्धता, उनके संचालन के लिये आधारभूत ढांचे की कमी आदि ऐसी समस्यायें हैं जो विद्यार्थियों के अधिगम पर नकारात्मक प्रभाव डालती है, इस दृष्टि से शिक्षण अधिगम सामग्री के कक्षा शिक्षण के दौरान प्रयोग के प्रति शिक्षकों की प्रतिक्रियाओं और समस्याओं को समझना आवश्यक हैताकि इस दिशा में सकारात्मक प्रयासें के लिये उचित कदम उठाये जा सकें।

उददे्श्य :–

1– शिक्षकों द्वारा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति दृष्टिकोंण का अध्ययन करना।
2– प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण अधिगम सामग्री की उपलब्धता की स्थिति का विश्लेषण करना।
3– शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रति सरकारी प्रयासों एवं दिशा निर्देशों का अध्ययन करना।

शोध विधि :–

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता के द्वारा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श :–

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता के द्वारा बरेली जनपद के नबावगंज, भोजीपुरा, भदपुरा विकास खण्डों के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत कुल 110 शिक्षकों का याद्दच्छिक रूप से चयन किया गया।

शोध उपकरण :–

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता के द्वारा शिक्षण अधिगम सामग्री के कक्षा शिक्षण के दौरान प्रयोग के प्रति शिक्षकों की प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करने के लिए स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया, जिसमें 16 कथन त्रिबिन्दु मापनी पर आधारित है, जिनके अनुक्रिया विकल्प हां, नहीं, कभी कभी निर्धारित किये गये है इसके अतिरिक्त 06 कथन खुले विकल्प पर आधारित हैं।

सांख्यिकी विधि :–

आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिये प्रतिशत का प्रयोग किया गया है।

तालिका सं. 01

प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों का शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन

क्र. सं.	कथन	हां		नहीं		कभी–कभी	
01	आपके द्वारा शिक्षण कार्यों में शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग किया जाता है।	68	61.82%	21	19.09%	21	19.09%
02	आप शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग करना उचित नहीं समझते हैं।	02	1.81%	85	77.27%	23	20.91%
03	रेडियों के शिक्षा कार्यक्रमों का प्रयोग कक्षा शिक्षण के दौरान नहीं करना चाहिये।	22	20%	66	60%	22	20%
04	मानचित्र, रेखाचित्र, दृश्य–श्रव्य सामग्री, शिक्षण की प्रभावशीलता को प्रभावित नहीं करती है।	22	20%	78	70.91%	10	9.09%
05	शिक्षण सहायक सामग्री का शिक्षण गतिविधियों पर कोई खास सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है।	03	2.73%	83	75.45%	24	21.82%
06	शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग करने से विद्यार्थी कक्षा में रूचि लेते हैं।	77	70%	10	9.09%	23	20.91%
07	दूरदर्शन (टी0वी0) के शिक्षा कार्यक्रमों का प्राथमिक कक्षाओं में उपयोग करना चाहिये।	74	67.27%	03	2.73%	33	30%
08	शिक्षक द्वारा स्वयं के आर्थिक खर्च से शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग करना उचित है।	12	10.91%	83	75.45%	15	13.64%

व्याख्या एवं विश्लेषण :–

तालिका संख्या 01 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 61.82 प्रतिशत प्राथमिक शिक्षकों द्वारा शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रयोग शिक्षण कार्य के दौरान किया जाता है। 77.27 प्रतिशत शिक्षकों का दृष्टिकोंण शिक्षण सहायक सामग्री के प्रयोग के प्रति सकारात्मक है अर्थात शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग करना उचित समझते हैं। 60 प्रतिशत शिक्षकों का मानना है कि सरकार द्वारा रेडियों पर प्रसारित किये जाने वाले शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रयोग शिक्षण के दौरान किया जाना उचित होगा, जिससे छात्र–छात्रायें लाभ उठा सकेंगे। 70.91 प्रतिशत शिक्षकों का कहना है कि शिक्षण सहायक सामग्री शिक्षण की प्रभावशीलता को प्रभावित करती है। 70 प्रतिशत प्राथमिक शिक्षकों का मत है कि शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग करने से विद्यार्थी कक्षा गतिविधियों में रूचि लेते है। शिक्षण सहायक सामग्री के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोंण के बाबजूद 75.45 प्रतिशत प्राथमिक शिक्षक स्वयं के आर्थिक खर्च से इसका प्रयोग करना उचित नहीं समझते हैं।

शिक्षण सहायक सामग्री के प्रयोग के प्रति दृष्टिकोंण के अध्ययन में प्राथमिक शिक्षक अपना दृष्टिकोंण सकारात्मक व्यक्त करते हैं। लेकिन सरकार की ओर से शिक्षण सहायक सामग्री उपलब्ध न होने पर प्राथमिक शिक्षक स्वयं के खर्च से शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग करना उचित नहीं ासमझते है जोकि शिक्षकों में अपनी जिम्मेदारियों का उचित प्रकार निर्वाहन न करने एवं सरकार द्वारा उन्हें शिक्षण सहायक सामग्री के प्रयोग के प्रति प्रेरित न करना दर्शाता है। अच्छी सरकारी नीतियों एवं मार्गदर्शन के द्वारा शिक्षकों को अच्छे शिक्षण कार्य के लिये अभिप्रेरित किया जा सकता है।

तालिका सं. 02

प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण अधिगम सामग्री की उपलब्धता की स्थिति का विश्लेषण

क्र. सं.	कथन	प्रतिक्रियायें	कुल	प्रतिशत
01	बी0आर0सी0 द्वारा शिक्षण सहायक सामग्री उपलब्ध कराने के लिये क्या प्रयास किये जाते हैं ?	मॉडल उपलब्ध कराना	25	22.72 %
		चार्ट उपलब्ध कराना	15	13.63 %
		विज्ञान किट उपलब्ध कराना	15	13.63 %
02	एस0सी0ई0आर0टी या एन0सी0ई0आर0टी0 के द्वारा विकसित विभिन्न शिक्षा कार्यक्रमों की कौन–कौन सी सी0डी0 आपके विद्यालय में उपलब्ध हैं।	कोई नहीं	70	63.63 %
		विज्ञान शिक्षण की सी0डी0	15	13.63 %
		अंग्रेजी शिक्षण की सी0डी0	15	13.63 %
03	शिक्षण सहायक सामग्री की अनुपलब्धता का प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता पर क्या प्रभाव पड़ता है।	अधिगम में अरूचि	105	95.45 %
		मानसिक विकास में कमी	25	22.72 %
		निम्न स्तर का शिक्षण	22	20 %
		शिक्षण में कठिनता	15	13.63 %
		सीखने की उपलब्धि में कमी	15	13.63 %

व्याख्या एवं विश्लेषण :–

तालिका सं0 02 में प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण अधिगम सामग्री की उपलब्धता की स्थिति का विश्लेषण करने से सम्बन्धित खुले विकल्प वाले प्रश्नों में 22.72 प्रतिशत प्राथमिक शिक्षकों द्वारा जानकारी दी गयी कि बी0आर0सी0 द्वारा शैक्षिक मॉडल उपलब्ध कराये जाते हैं जबकि 13.63 प्रतिशत शिक्षकों ने चार्ट व विज्ञान की किट को भी उपलब्ध कराये जाने की बात कही। 63.63 प्रतिशत प्राथमिक शिक्षकों द्वारा जानकारी दी कि एस0सी0ई0आर0टी या एन0सी0ई0आर0टी0 के द्वारा विकसित शिक्षा कार्यक्रमों की कोई भी सी0डी0 उनके विद्यालय में उपलब्ध नहीं कराई जाती है अर्थात विद्यालयों में एस0सी0ई0आर0टी या एन0सी0ई0आर0टी0 द्वारा शैक्षिक कार्यक्रमों की विभिन्न प्रकार की सी0डी0 विद्यालयों में उपलब्ध न कराना उनका शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोंण को व्यक्त नहीं करता। प्राथमिक शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण वृद्धि एवं बच्चों के शैक्षिक ज्ञान में वृद्धि करने हेतु आवश्यक है कि विद्यालयों में समय–समय पर विषयानुकूल शैक्षिक सी0डी0 उपलब्ध करायी जानी चाहिये। प्राथमिक शिक्षा में तकनीकी का समावेश करते हुये उसे प्रभाव पूर्ण व उददे्श्यपूर्ण बनाये जाने की आवश्यकता है। 95.45 प्रतिशत शिक्षकों नें शिक्षक सहायक सामग्री की अनुपलब्धता के प्रश्न के जबाब में छात्र–छात्राओं की अधिगम में अरूचि का होना बताया है। शिक्षण सहायक सामग्री छात्र एवं छात्राओं में अधिगम के प्रति रूचि को विकसित करती है ओर विषय वस्तु को स्पष्ट करने व समझने में सहायता प्रदान करती हैं। अतः शिक्षण सामग्री का विद्यालय में उपलब्ध न होने पर छात्र–छात्राओं का अधिगम के प्रति अरूचि का विकास होता है।

तालिका सं. 03
शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति सरकारी प्रयासों या दिशा निर्देशों का अध्ययन करना

क्र. सं.	कथन	हां		नहीं		कभी–कभी	
01	सरकार द्वारा शिक्षण को प्रभाव शाली बनाने हेतुकदम उठाये जाते हैं।	78	70.91%	11	10%	21	19.09%
02	सरकार द्वारा शिक्षण सहायक सामग्री के लिये आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।	34	30.91%	44	40%	32	29.09%
03	सरकार द्वारा शिक्षकों को नई शिक्षा तकनीकियों का प्रशिक्षण दिया जाता है।	47	42.73%	21	19.09%	42	38.18%
04	शिक्षा अधिकारी आपको शिक्षण में नई तकनीकियों के प्रयोग के लिये प्रेरित करते हैं।	63	57.28%	15	13.64%	32	29.09%
05	शिक्षण सहायक सामग्री के निर्माण में एस0सी0ई0आर0टी0 के प्रशिक्षकों द्वारा तकनीकी सहायता मिलती है।	06	5.45%	80	72.73%	24	21.82%

तालिका सं. 04
शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति सरकारी प्रयासों या दिशा निर्देशों के अन्तर्गत खुले विकल्प वाले प्रश्नों का विश्लेषण

क्र. सं.	कथन	प्रतिक्रियायें	कुल	प्रतिशत
01	शिक्षण को प्रभावशाली बनाये जाने के लिये सरकार द्वारा क्या प्रयास किये जाते हैं ?	विभिन्न प्रशिक्षण	90	81.81 %
		शिक्षण अधिगम की सामग्री की उपलब्धता	25	22.72 %
		मीना की दुनिया का प्रचार	15	13.63 %
02	शिक्षण को प्रभावशाली बनायें जाने के लिये नई तकनीकियों के बारे में प्रशिक्षण दिया जाता है।	भ्रमण विधि	56	50.90 %
		कम्प्यूटर प्रणाली	25	22.72 %
		चार्ट का प्रयोग	25	22.72 %
		कठपुतली द्वारा शिक्षण	10	9.09 %
		स्वयं करके सीखना	40	36.36 %
		शिक्षण अधिगम सामग्री	25	22.72%
03	आधुनिक श्रव्य–दृश्य उपकरणों के संचालन के लिये विद्युत आपूर्ति के कौन–कौन से स्त्रोत उपलब्ध हैं।	विद्युत ऊर्जा	80	72.72 %
		सौर ऊर्जा	15	13.63 %
		बिजली कनेक्शन नहीं हैं	60	54.54 %

व्याख्या एवं विश्लेषण :–

तालिका संख्या 03 में शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रति सरकारी प्रयासों एवं दिशा निर्देशों के अन्तर्गत 70. 91 प्रतिशत प्राथमिक शिक्षकों का कहना है कि सरकार द्वारा शिक्षण को प्रभावशाली बनाने हेतु उचित कदम उठाये जाते हैं जबकि 40 प्रतिशत प्राथमिक शिक्षक ये प्रतिक्रिया देते हैं कि सरकार द्वारा शिक्षण सहायक सामग्री के लिये कोई आर्थिक सहायता प्रदान नहीं की जाती है। 42.73 प्रतिशत शिक्षक बताते हैं सरकार द्वारा

शिक्षकों को नई शिक्षा तकनीकियों का प्रशिक्षण दिया जाता है जबकि 72.73 प्रतिशत शिक्षकों का मत है कि शिक्षण सहायक सामग्री के निर्माण में एस0सी0ई0आर0टी0 के प्रशिक्षकों द्वारा तकनीकी सहायता प्राप्त नहीं होती है।

प्राथमिक शिक्षा को प्रभावपूर्ण बनाने हेतु आवश्यक है कि सरकार द्वारा निरन्तर शिक्षा में सुधार हेतु प्रयासरत रहना चाहिये, प्राथमिक शिक्षकों को शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति प्रेरित करना चाहिये एवं शिक्षण अधिगम सामग्री उपलब्ध कराने के साथ–साथ शिक्षकों को भी आर्थिक सहायता प्रदान की जाये।नई–नई शिक्षण तकनीकियों का प्रशिक्षण शिक्षकों को देने के साथ–साथ सरकारी प्रशिक्षकों को विद्यालय जाकर निरीक्षण करना चाहिये तथा शिक्षकों को सामग्री उपलब्ध कराने के साथ–साथ प्रशिक्षण भी प्रदान करना चाहिये।

तालिका सं0 04 में खुले विकल्प वाले प्रश्नों के जबाव में 81.81 प्रतिशत शिक्षकों ने सरकार द्वारा शिक्षण को प्रभावशाली बनाये जाने के लिये उठाये जाने वाले प्रयासों में विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण देने की बात कही गयी है। 50.90 प्रतिशत प्राथमिक शिक्षकों नें बताया कि नई तकनीकियों के प्रशिक्षण में उन्हें भ्रमण विधि के विषय में प्रशिक्षण दिया जाता है जबकि 9.09 प्रतिशत शिक्षकों ने कठपुतली द्वारा शिक्षण के प्रशिक्षण देने की बात कही। श्रव्य–दृश्य उपकरणों के संचालन के लिये विद्युत आपूर्ति के साधनों के अन्तर्गत 72.72 प्रतिशत शिक्षक ऊर्जाका उपलब्ध होना बताते है तथा 13.63 प्रतिशत शिक्षक सौर ऊर्जा की व्यवस्था का होना भी बताते हैं।

प्राथमिक शिक्षकों की प्रतिक्रियाओं से ज्ञात होता है कि सरकार द्वारा समय–समय पर उन्हें अच्छे शिक्षण कार्य हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, लेकिन शायद प्रशिक्षण दाताओं द्वारा प्राथमिक शिक्षकों को उचित मार्गदर्शन प्रदान न करना दर्शाता है क्योंकि नई तकनीकियों के प्रश्न के जबाव में अधिकांश शिक्षक भ्रमण विधि को बताते हैं। यहां सरकारी प्रशिक्षण दाताओं को विधि एवं तकनीकि में स्पष्ट जानकारी शिक्षकों को प्रदान की जानी चाहिये। आज वर्तमान समय में सौर ऊर्जा विद्युत के लिये अच्छा विकल्प बनकर उभरकर आ रहा है अतः सरकार को चाहिये कि विद्यालयों में सौर ऊर्जा की व्यवस्था करते हुये प्राथमिक शिक्षकों को विषयानुकूल शिक्षण सहायक सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

निष्कर्ष :–

प्रस्तुत शोध में शिक्षकों से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर शिक्षकों का शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति दृष्टिकोण सम्बन्धी सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त हुई लेकिन प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण अधिगम सामग्री की उपलब्धता तथा विद्यालयों में इनके उपलब्ध कराने में सरकारी प्रयासों की नकारात्मक स्थिति को दर्शाती है। इस दृष्टि से सरकारी स्तर पर अभी और प्रयास करने की आवश्यकता है ताकि प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की आवश्यकता के अनुरूप शिक्षण अधिगम सामग्री को बेहतर ढंग से उपलब्ध कराया जा सके।

शिक्षण अधिगम सामग्री का शिक्षकों द्वारा शिक्षण के दौरान प्रयोग करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि उन्हें इस कार्य हेतु कितना अभिप्रेरित किया गया है? शिक्षकों को कितनी शिक्षण सहायक सामग्री उपलब्ध कराई गयी हैं? प्राथमिक स्तर पर जब तक सरकारी प्रयासों के साथ–साथ शिक्षकों का दृष्टिकोंण शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रति सकारात्मक नहीं होगा स्थिति ऐसी ही बनी रहेगी। आवश्यकता है सिर्फ शिक्षकों को जागरूक, प्रेरितएवं प्रशिक्षण देने की।

प्राथमिक स्तर की शिक्षण व्यवस्था में शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग को बढ़ाने की दिशा में निम्न सार्थक प्रयासों को किया जा सकता है –

1– कक्षा में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाने हेतु विद्यालयों में दूरदर्शन व ई0 लर्निंग हेतु कम्प्यूटर व टेलीविजन की व्यवस्था की जानी चाहिये व शिक्षकों को विभिन्न प्रकार की फिल्मों या सी0डी0 को उपलब्ध कराने वाले विभिन्न संस्थाओं की जानकारी प्रदान की जानी चाहिये।

2– प्राथमिक शिक्षकों को उचित शिक्षण अधिगम सामग्री के लिये आर्थिक सहायता प्रदान की की जाये व उन्हें प्रेरित किया जाये।

3– एस0सी0ई0आर0टी0 व एन0सी0ई0आर0टी0 के प्रशिक्षण दाताओं को समय–समय पर विद्यालयों का निरीक्षण किया जाना चाहिये व शिक्षण सहायक सामग्री के प्रयोग करने की स्थिति का विश्लेषण किया जाना चाहिये।

4– प्राथमिक शिक्षकों को इस बात का परामर्श व निर्देशन दिया जाये कि विभिन्न प्रकार की ई0लर्निंग सामग्री कहां–कहां से प्राप्त हो सकती हैं अर्थात उन्हें एस0सी0ई0आर0टी0 व एन0सी0ई0आर0टी0, विभिन्न प्रकार के एन0जी0ओ0 Central Institute of Educational Technology आदि संस्थाओं के विषय में जानकारी प्रदान की जाये।

5– समय–समय पर शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों एवं तकनीकियों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिये।

6– अध्यापकों को द्विआयामी शिक्षण अधिगम सामग्री के स्थान पर त्रिआयामी शिक्षण अधिगम सामग्री मॉडल बनाने का प्रशिक्षण दिया जायें।

7– दूरदर्शन की व्यवस्था की जाये जिससे शिक्षक छात्रों को फिल्म, D.T.H (डी0टी0एच0) एवं अनेक बहुमाध्यमों द्वारा शिक्षण प्रदान कर सकें।

सन्दर्भ सूची :–

1– पाशा, सबा, 2015, ''शिक्षण अधिगम सहायक सामग्री महत्व उददेश्य एवं कार्य, www.tetsuccesskey – com./2015/01/teaching – aids – in hindi.html ? m=1 (02/01/2015)

2– शेखर, के0रेड्डी0, वी0पेला0, नागार्जुन, टी0आई0, 2014, a study of attitude of teachers towords teaching learning material, paripex – indian journal of research, (3) 59-62.''

3– Anzaku Francis (2011), "Library experts speaks on audio –visual material. A paper presented at the united hations educational scientific and cultural organization (UNESCO) world day for audio-visual haritage, lafia.

4– Harris, s (2002), innovative pedagogical practies using ICT in school in England, journal of computer assisted learning, No. -18, Pp, 449-458.

धर्मवीर गंगवार
शोध छात्र , बी.एड./एम.एड. विभाग , महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड , विश्वविद्यालय (बरेली).